Rajya Sabha on 18th December, 1992 and state:

(a) whether recommendations regarding in the grade of 2200-4000 have been received by ICAR from various institutes functnioning under it.

(b) if so, the reasons for delay in the implementation of the rccommen. dations; and

(c) whether Government would fix responsibility for this inordinate international delay and take ufitable action against officers involved?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NET AM): (a) Yes Sir.

(b) and (c): The recommendations regarding promotion of scientists working in the grade of Rs. 2200-4000 are being received from vairoua Instts. functioning under the ICAR and the approval of the Council is being communicated after due processing. There has been no inordinate intentional delay and as such the question of taking action against any officer does not arise.

राई-सरसों पर राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना

518. श्री कैलाश नारायण सारंग :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के ग्वालियर/चंबल संभाग मे राई-सरसों पर राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त अनुसंधान केन्द्र के लिए किस क्षेत्र विशेष का चयन किया गया है और उक्त केन्द्र की स्थापना कब तक कर दिये जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) महोदय, तोरिया तथा सरसों के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु प्रदेश सरकार तथा कुछ अन्य राज्यों ने स्थान देने का प्रस्ताव किया था । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विशेषज्ञ समिति ने प्रस्ताव की जांच की मध्यप्रदेश के ग्वालियर/चम्बल प्रभाग में तोरिया सरसों राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी ।

(ख) विशेषज्ञ समिति ने यह सिफारिश की है कि केन्द्र राजस्थान के भरतपुर में स्थापित किया जाये । इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना मे शामिल किया गया है ।

तिलहनों का उत्पादन

श्री वीरेन जे० शाह
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1992-93 के दौरान तिलहनों का उत्पादन लक्ष्य से अधिक हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और वस्तुतत कितना उत्पादन होने का अनुमान है ;

(ग) क्या यह सच है कि इस वर्ष 92 प्रतिशत वर्षा पर्याप्त मात्रा में और उचित समय पर हुई है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि विगत वर्ष कि तुलना में इस वर्ष अधिक भूमि पर तिलहनों की खेती की गई है ; और

(ङ) यदि नहीं तो, भविष्य में भी तिलहनों के उत्पादन की वर्तमान वार्षिक-दर को बनाए रखने के लिए सरकार की क्या योजना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) (क) और (ख) वर्ष

1992–93 के दौरान तिलहन का अनुमानित उत्पादन 19.0 मिलियन टन के उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 20.0, मिलियन टन रहा है ।

(ग) जी हां ।

(घ) 1992–93 के दौरान इसका क्षेत्र गत वर्ष के समान 25.4 मिलियन हैक्टेयर स्तर का रहा ।

(ङ) प्रश्न नहीं होता ।

विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय सहायता

520. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्र सरकार द्वारा विशेष खाद्यान्न उत्पादन कायक्रम के अन्तर्गत देश में अनेक संस्थाओं की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990–91, 1991–92 तथा 1992-93 में जनवरी तक पृथक-पृथक कुल कितनी सहायता-राशि दी गई है ;

(ग) क्या इस अवधि के दौरान कतिपय नये उन्नत किस्म के बीजों का विकास किया गया है ;

(घ) यदि हां, तो विकासित किस्म के बीजों सहित उन्नत खाद्यान्नों का ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) खाद्यान्न-उत्पादकों की उन्नत किस्म के इस बीजों की जानकारी देने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) इस तरह विशेष खाद्यान्न उत्पादन कायक्रम के अधीन देश में किसी संस्थान को भारत सरकार द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जा रही है फिर भी, कृषकों को प्रोद्योगिकी का प्रभावी अंतरण करने हेतु फंटलाईन प्रदर्शन आयोजित करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का धनराशि प्रदान की जाती है ।

(ख) भारतीय कृषि अनसंधान परिषद को प्रदान की गई राशि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :—

(लाख रुपये में)

फसल	1990–91	1991–92	1992–93 (जनवरी तक)
चावल	30.00	17.00	शून्य
गेहूं	शून्य	शून्य	10.00

(ग) जी, हां ।

(घ) इस अवधि के दौरान विकसित एवं अधिसूचित किस्मों के विवरण निम्न प्रकार हैं :—

फसल	1990–91	1991–92	1992–93 (जनवरी तक)
चावल	12	14	12
गेहूं	7	4	5
मोटे अनाज	19	13	6
दालें	3	21	16

(ङ) हाल ही में विकसित किस्मों से उत्पादकों को अवगत/परिचित कराने हेतु बीज मिनिकिट वितरित किये जाते हैं ।